POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-2 (H), Paper-4

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D College Tajpur,
Samastipur

राजनीतिक संस्कृति

राजनीतिक संस्कृति किसी समाज की सामान्य संस्कृति का ही अंग है। यह जीवन के प्रति मनोवृति है जो लोगों में राजनीति को लेकर होती है। यह बताती है कि लोग राजनीति के प्रति कितने जागरूक हैं एवं लोगों की राजनीति में कितनी सहभागिता एवं रूचि है। आमंड एवं पावेल के अनुसार "राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक व्यवस्था के प्रति लोगों की मनोवृति एवं रवैया है।" राजनीतिक व्यवस्था तथा राजनीतिक दृष्टिकोणों, विश्वासों एवं मूल्यों से राजनीतिक संस्कृति का निर्माण होता है।

राजनीतिक संस्कृति के लक्षण -

(1) आनुभविक विश्वास -

इससे राजनीतिक व्यवस्था में लोगों की दिलचस्पी या उसके प्रति रूखेपन से ज्ञान होता है। राजनीतिक संस्कृति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण लक्षण राजनीतिक समाज के व्यक्तियों की आस्थाओं और विश्वासों का है। इसी के आधार पर शासकों और शासितों के पारस्परिक संबंधों का नियमन होता है। विश्वास चाहे गलत हों या सही, किन्तु राजनीतिक

संस्कृति के प्रमुख लक्षण के रूप में इस समाज में पाए जाते हैं। विभिन्न राजनीतिक संस्कृति में मात्रात्मक अंतर भी इसी कारण पाए जाते हैं। राजनीतिक संस्कृति का यह लक्षण आधारभूत महत्त्व रखता है।

(2) मूल्य अभिरुचियाँ :-

राजनीतिक समाज में व्यक्ति स्वयं अपने लिए और सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए किसी प्रकार की मूल्य व्यवस्था में रुचि रखते हैं। किसी राजनीतिक व्यवस्था में व्यक्तियों की रुचि कानून एवं व्यवस्था और स्थायित्व में हो सकती है। कहीं लोगों की रुचि इस बात में हो सकती है कि उनका समाज समय के साथ धीरे-धीरे नहीं तुरंत आगे बढ़ जाए। राजनीतिक संस्कृति में व्यक्तियों के और सम्पूर्ण समाज के लिए मूल्य पसंदगियों का विशेष महत्त्व होता है।

(3) प्रभावी अनुक्रियाएँ :-

एक राजनीतिक संस्था और प्रति क्रियाओं के प्रति अनुकूल मनोभावों को प्रभावी अनुक्रिया कहा जाता है। एक राजनीतिक समाज के व्यक्तियों को अपने राष्ट्र या व्यवस्था पर गर्व हो सकता है, तो किसी अन्य राजनीतिक समाज के लोगों को इसके प्रति निराशा हो सकती है।

Dr. Shama Ara
Asst. Professor